सादर प्रकाशनार्थ

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा आयोजित
आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव समारोह सानन्द संपन्न

कांकरोली, १२ मई २०११। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के ५०वें जन्म दिवस पर **जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा** द्वारा आयोजित आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव समारोह में भारत देश की प्रथम नागरिक महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, राजस्थान व पंजाब के महामहिम राज्यपाल श्री शिवराज वी. पाटिल, केन्द्रीय मंत्री डॉ. सी.पी. जोशी, श्री देवीसिंह पाटिल सहित अनेक मंत्रीगण उपस्थित थे।

महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने पूज्यप्रवर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आचार्यश्री महाश्रमण एक महान विचारक, महान व्यक्तित्व व समाज सुधारक हैं। वे अहिंसा, नैतिकता, शांति की स्थापना के लिए निरन्तर परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ने के लिए लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने जैन धर्म की प्रभावना का उल्लेख करते हुए बताया कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक सभी २४ तीर्थंकरों ने लोगों को यह शिक्षा दी कि सभी प्राणियों के प्रति करुणा, दया और सेवा भाव रखना जरू री है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को अहिंसा, सद्‌भावना तथा सद्‌चरित्र के पालन हेतु आह्वान करते हुए कहा कि अगर हम इन सिद्धान्तों का पालन करें तो निश्चित रूप से हमारे जीवन में परिवर्तन आएगा और तभी हमारा समाज स्वस्थ समाज के रूप स्थापित हो सकेगा।

राजस्थान व पंजाब के राज्यपाल श्री शिवराज पाटिल ने आचार्यश्री महाश्रमणजी के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी यह प्रार्थना है कि आप शतायु हों और आपकी अमृतवाणी से जनकल्याण के कार्य संपादित होते रहें। उन्होंने जैन धर्म की महत्ता के बारे में बताते हुए कहा कि जैन धर्म का अनेकान्तवाद लोकतंत्र में महत्वपूर्ण है। आचार्य तुलसी ने हमें अणुव्रत का विचार दिया और आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने हमें जीने का तरीका सिखाया, और वर्तमान में आचार्यश्री महाश्रमण हमें छोटे-छोटे व्रत को लेकर अपने जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा प्रदान कर रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. सी. पी. जोशी ने कहा कि अहिंसा यात्रा के बाद अमृत महोत्सव हम सभी में एक नई चेतना लाएगा। हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिससे देश ताकतवर बनकर उभर सके। देश समसामयिक विषयों के संबंध में महाश्रमण जी के जो विचार हैं वह देश में एक नई क्रांति लाएगा। यह अमृत महोत्सव अगले एक वर्ष में देश में एक नए युग का सूत्रपात करेगा। भारत को ताकतवर बनाने में आचार्यप्रवर की महती कृपा बनी रहेगी।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष **श्री चैनरूप चिण्डालिया** ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि तेरापंथ की गौरवशाली परम्परा के संवाहक महामनीषी आचार्यश्री महाश्रमण जी के साधनामय जीवन के पचासवें वर्ष में प्रवेश को अमृत महोत्सव के रूप में आयोजित कर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा तथा पूरा संघ और समाज उनके प्रति अपनी आंतरिक श्रद्धा और प्रणति निवेदन कर धन्यता का बोध कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण जी अपनी जागरूक चैतन्यता और आध्यात्मिक-वैज्ञानिक दृष्टि की उच्चता के द्वारा सर्वत्र ज्ञान, दर्शन, चारित्र और विश्व बंधुत्व का आलोक प्रसारित कर रहे हैं। अपने नव नेतृत्व के द्वारा वे तेरापंथ धर्मसंघ को एक नए क्षितिज की ओर ले जा रहे हैं और सम्पूर्ण मानवता को एक नई दिशा और चिन्तन का एक नया आयाम दे रहे हैं।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
(ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)

3, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता - 700 001, दूरभाष: 2235 7956, 2234 3598, फैक्स : 033 2234 3666

इस अवसर पर मंत्री मुनिश्री सुमेरमलजी ने कहा कि जो व्यक्ति प्रारम्भ में धर्म से जुड़ जाता है उनकी अर्द्धशताब्दी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आचार्य महाश्रमण की अर्द्धशताब्दी को आध्यात्मिकता की अर्द्धशताब्दी कहा जा सकता है।

साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी ने कहा कि आचार्य महाश्रमण एक से एक शिखरों पर आरोहण करते हुए उच्चतम शिखर पर पहुँच गए हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुनिश्री मोहजीत कुमारजी ने कहा कि आचार्यश्री महाश्रमण व्यक्ति नहीं, एक चिन्तन हैं, एक दिग्दर्शन हैं, एक आभा हैं, ऊर्जापुंज हैं। ऐसे आचार्य जो हमारे अन्तर्मन में प्रसन्नता, प्रफुल्लता, सहजता, ऋजुता, मृदुता के भाव से अभिभूत होकर हमें कुछ नया करने की चाह प्रदान करते हैं। आचार्य श्री महाश्रमण तेरापंथ धर्मसंघ की मर्यादा, साधु-साध्वी और श्रावक-श्राविकाओं की सहिष्णुता, जैनत्वता, जनबोध, सम्यक व्यवस्थापन, आचारांग सिद्धान्तों में सामंजस्य, मानवीय संवेदना के प्रति जागरूक हैं। वे वैश्विक चेतना के प्रेरणा स्रोत हैं, दया और अनुकम्पा के परम शिखर पुरुष हैं। ऐसे कर्तृत्व के चरणों में जब हम श्रद्धा से अपना सिर झुकाते हैं तो निश्चित रूप से अपने आप में कुछ नया कर गुजरने की चाह स्वतः प्रस्फुटित होता है।

श्रद्धेय आचार्यप्रवर ने जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि जो व्यक्ति अपने जीवन में सच्चाई की आराधना करता है वह व्यक्ति भगवान की आराधना कर लेता है। जन्म लेना सामान्य बात है किन्तु जीवन में विशिष्ट कार्य करना विशेष बात हो सकती है। देश का आर्थिक, भौतिक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास होना जरुरी है। इस अवसर पर उद्‌बोधन प्रदान करते हुए पूज्यप्रवर ने अपने विशाल हृदय व सेवा भावना का परिचय देते हुए कहा कि मैं अपने आपको तेरापंथ शासन की सेवा के लिए समर्पित करता हूँ। सबसे पहले मेरे लिए तेरापंथ समाज व धर्म है। उसके बाद मैं जैन शासन की सेवा करना चाहता हूं। फिर मानव जाति की सेवा करना चाहता हूं। मैं अपने लिए मंगलकामना करता हूँ कि मेरा जीवन आध्यात्ममय हो। मैं स्वयं की आत्मसाधना करता हुए दूसरों की भी सेवा कर सकूं।

अमृत महोत्सव के संयोजक एवं महासभा के उपाध्यक्ष श्री ख्यालीलालजी तातेड़ ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए अपनी भावना व्यक्त की।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के प्रधान ट्रस्टी श्री राजेन्द्र बच्छावत ने महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को स्मृति चिह्न प्रदान किया। महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूप चिण्डालिया ने आचार्य प्रवर को चन्दन निर्मित कलाकृति से युक्त वीणा उपहत की। महामंत्री श्री भंवरलाल सिंघी ने श्री देवीसिंह पाटिल का सम्मान किया।

महासभा के उपाध्यक्ष श्री प्रकाशचन्द बैद, श्री रतन दूगड़ सहित अनेक पदाधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

जन-गण-मन गान के साथ सोल्लासपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली

आचार्य महाश्रमण
अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली

अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली

आचार्य महाश्रमण
अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली

श्रद्धाप्रणत
जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
सहयोगी संस्थाएं

आचार्य महाश्रमण
अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली

अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली
श्री शिवराज पाटिल
डा. श्री सी. पी. जोशी
जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कांकरोली

12 मई 2011 कांकरोली

अमृत महोत्सव
शुभारम्भ समारोह
12 मई 2011 कांकरोली
डा. श्री सी. पी. जोशी

सादर प्रकाशनार्थ

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा तेरापंथी सभा, कांकरोली को आर्थिक सहयोग

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूप चिण्डालिया ने आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के कार्यक्रम को सफल बनाने में अमृत महोत्सव के संयोजक एवं महासभा के उपाध्यक्ष श्री ख्यालीलाल तातेड़ तथा संयोजकगण के कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि इन्होंने अपनी पूरी टीम के साथ जिस श्रद्धा, भावना, लगन और सक्षमता के साथ इस महोत्सव को श्रेष्ठता प्रदान करने का व्रत ग्रहण किया वह अत्यन्त सराहनीय है। इसके अलावा कांकरोली में आयोजित प्रथम चरण के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, कांकरोली ने महासभा के सहयोगी के रूप में जिस कुशलता, तत्परता और निष्ठाभावना के साथ यहां के सारे आयोजनों की व्यापक स्तर पर व्यवस्था की है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, वह कम है। उन्होंने सभा के अध्यक्ष श्री चन्द्रप्रकाश चोरड़िया एवं संयोजक श्री धर्मेश डांगी एवं उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई देते हुए महासभा की ओर से कांकरोली सभा को रू. ११,००,०००/- (ग्यारह लाख रुपये) की सहयोग राशि की घोषणा की और आशा व्यक्त की कि कांकरोली सभा भविष्य में इसी प्रकार संघ व समाज के कार्यों में सक्रियता से कार्य करेगी।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
(ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)
3, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता - 700 001, दूरभाष: 2235 7956, 2234 3598, फैक्स : 033 2234 3666

हे प्रभो! यह तेरापंथ

सादर प्रकाशनार्थ

श्री मांगीलाल सेठिया को "समाज भूषण" अलंकरण

तेरापंथ धर्मसंघ की श्री वृद्धि में पूज्यवरों के महनीय दिशा-दर्शन एवं नेतृत्व, चरित्रात्माओं के त्याग-तपोबल के साथ-साथ श्रावक समाज की भी उल्लेखनीय सहभागिता रहती है। विशिष्ट सेवाओं और संघ विकास मूलक योगदान करने वाले श्रावक-श्राविकाओं का पूज्यप्रवर समय-समय पर अंकन करते हैं एवं उनकी दृष्टि की आराधना करते हुए महासभा ऐसे महानुभावों को सम्मानित एवं अलंकृत कर गौरव की अनुभूति करती है। तेरापंथ धर्मसंघ के श्रावक-श्राविका समाज का सर्वोच्च अलंकरण है - **समाजभूषण**। महासभा के ९७ वर्षों के इतिहास में अब तक १६ विशिष्ट महानुभावों को यह अलंकरण प्रदान किया गया है। इस गौरवशाली श्रृँखला में एक नया नाम और जुड़ गया और वह है तेरापंथ धर्मसंघ के अग्रणी व्यक्तित्व, चिन्तक, विचारक, प्रेरक, समाजसेवी, निष्ठाशील श्रावक और पुरुषार्थी व्यक्तित्व के धनी सुजानगढ़ निवासी, दिल्ली प्रवासी स्व. कुन्दनमलजी सेठिया के सुपुत्र श्री मांगीलाल सेठिया। महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूप चिण्डालिया ने पूज्यवरों के पावन सान्निध्य में दिनांक ११.०५.२०११ को उक्त नाम की घोषणा की। श्री मांगीलाल सेठिया उद्योगपति एवं समाजसेवी होने के साथ-साथ धर्मसंघ के प्रति पूर्णरूपेण समर्पित श्रावक हैं। धर्मसंघ की सर्वोच्च केन्द्रीय संस्था तेरापंथ विकास परिषद के संयोजक के रूप में तथा अन्य अनेक केन्द्रीय संस्थाओं के गरिमापूर्ण पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य करते हुए आपने अपनी एक अलग पहचान बनायी। आपको कई प्रकार के सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। आपकी विरल विशेषताओं को देखते हुए पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी ने '**शासनसेवी**' और '**अजातशत्रु**' जैसे गरिमामय संबोधन से आपको संबोधित किया। श्री मांगीलाल जी अजातशत्रु के व्युत्पत्ति लभ्य अर्थ के वास्तव में संवाहक हैं। राजधानी की अनेक सामाजिक, सार्वजनिक, धार्मिक संस्थाओं से जुड़े रहकर भी इनके व्यवहार की अजातशत्रुता कभी बाधित नहीं हुई। पूज्यवरों की दृष्टि की आराधना करते हुए तेरापंथ धर्मसंघ के श्रावक समाज के उज्जवल व देदीप्यमान नक्षत्र श्री मांगीलालजी सेठिया श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर '**समाज भूषण**' के अलंकरण से अलंकृत कर ग ौरव की अनुभूति कर रही है, साथ ही सम्पूर्ण श्रावक समाज भी गौरवान्वित हो रहा है। ऐसे गुणागुण सम्पन्न व्यक्तित्व श्री मांगीलालजी सेठिया को समाजभूषण के अलंकरण हेतु महासभा पुनः शुभकामना अर्पित करते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामना करती है। यह सम्मान पूज्यवरों के पावन सान्निध्य में आगामी मर्यादा महोत्सव के अवसर पर आमेट (राजस्थान) में उन्हें प्रदान किया जाएगा।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
(ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)

3, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता - 700 001, दूरभाष: 2235 7956, 2234 3598, फैक्स : 033 2234 3666

हे प्रभो! यह तेरापंथ

सादर प्रकाशनार्थ

कांकरोली राजकीय अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के अवसर पर कांकरोली स्थित राजकीय अस्पताल में जनसेवार्थ एक डायलिसिस सेंटर की स्थापना धानीन निवासी मुंबई प्रवासी श्री सोहनलालजी चोरड़िया के आर्थिक सौजन्य से की गयी। इस डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन आचार्यप्रवर के पावन सान्निध्य में राजसमंद के जिला कलेक्टर श्री प्रीतम वी. यशवंत द्वारा दिनांक ११ मई २०११ को किया गया।

इस कार्यक्रम में समणी स्थितप्रज्ञाजी, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूप चिण्डालिया, उपाध्यक्ष श्री ख्यालीलाल तातेड़, श्री प्रकाशचन्द बैद तथा महामंत्री श्री भंवरलाल सिंघी, संगठन प्रभारी श्री विजय सिंह चौरड़िया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। डायलिसिस सेन्टर का उद्घाटन करते हुए जिला कलेक्टर श्री प्रीतम यशवन्त ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस डायलिसिस सेंटर की स्थापना से स्थानीय लोगों को चिकित्सा सुविधा में काफी मदद मिलेगी। छोटे-छोटे गांवों के अस्पतालों में अगर इस तरह की सुविधा मिले तो स्थानीय लोगों को चिकित्सा के लिए दूर शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी और वे अनावश्यक खर्च से भी बच सकेंगे। उन्होंने इसके लिए श्री सोहनलालजी चोरड़िया के प्रति आभार ज्ञापित किया।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
(ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)
3, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता - 700 001, दूरभाष: 2235 7956, 2234 3598, फैक्स : 033 2234 3666

सादर प्रकाशनार्थ

आचार्य श्री महाश्रमण पदाभिषेक कार्यक्रम

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी के तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशवें अधिशास्ता के रूप में पदारोहण की वर्षपूर्ति के मंगलमय अवसर पर दिनांक 13.05.2011 को गांधी सेवा सदन, राजसमंद में आयोजित आचार्य महाश्रमण पदाभिषेक अभिवंदना समारोह कार्यक्रम में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूप चिण्डालिया, उपाध्यक्ष श्री ख्यालीलाल तातेड़, महामंत्री श्री भंवरलाल सिंघी, संगठन प्रभारी श्री विजयसिंह चौरड़िया सहित अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

महासभा के अध्यक्ष श्री चैनरूप चिण्डालिया ने पूज्य आचार्य प्रवर को अभिनन्दन पत्र भेंट करते हुए कहा कि-

आपके पट्टारोहण से धर्मसंघ में एक नई ऊर्जा उत्पन्न हुई है और पूरा समाज आपके तेजोमय नव-नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर है। आपके कुशल निर्देशन में सर्वत्र धार्मिक चेतना का विकास हुआ है। जन-जन के जीवन में पवित्रता, नैतिकता, सदाचार का भाव नए रूप में आकार लेने लगा है। आपके आध्यात्मिक चिंतन ने हमें सम्यक दृष्टि दी है। आपकी तपःप्रसूत वाणी से निकलने वाली अमृतमयी शिक्षा से जन-जन के हृदय में ज्ञान का प्रकाश भर रहा है। आज सारा समाज आपका आभारी है, क्योंकि आपने हमारे जीवन को एक नई परिभाषा दी है। तेरापंथ संघ के उत्तरोत्तर विकास के लिए आपने जो मूलमंत्र दिए हैं वे सर्वथा सराहनीय हैं। जन-जन में संघ के प्रति अटूट निष्ठा, एकनिष्ठता, गण की अखंडता, नीति, न्याय एवं अनुशासन के अनुपालन और सेवा की जो अतुलनीय भावना पैदा की है वह सौ-सौ कंठों से प्रशंसनीय है।

महासभा के उपाध्यक्ष एवं आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के संयोजक श्री ख्यालीलाल तातेड़, महामंत्री श्री भंवरलाल सिंघी ने भी अपनी भावाभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा
(ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)

3, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता - 700 001, दूरभाष: 2235 7956, 2234 3598, फैक्स : 033 2234 3666